ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

जो बाप का स्वभाव वह बच्चों का स्वभाव। बाप का स्वभाव क्या है? सदा हर आत्मा के प्रति कल्याण वा रहम की भावना का स्वभाव। हर एक को ऊँचा उठाने का स्वभाव, मधुरता का स्वभाव। निर्मानता का स्वभाव। मेरा स्वभाव ऐसा है यह कभी नहीं बोलना। मेरा कहाँ से आया। मेरा तेज बोलने का स्वभाव है, मेरा आवेश में आने का स्वभाव है। स्वभाव के कारण हो जाता है। यह माया है। कईयों का अभिमान का स्वभाव, ईर्ष्या का, आवेश में आने का स्वभाव होता है, दिलशिकस्त होने का स्वभाव होता है। अच्छा होते भी अपने को अच्छा नहीं समझते। सदैव अपने को कमज़ोर ही समझेंगे। मैं आगे जा नहीं सकती। कर नहीं सकती। यह दिलशिकस्त स्वभाव यह भी रांग है। अभिमान में नहीं आओ। लेकिन स्वमान में रहो तो इसी प्रकार के स्वभाव को कहा जाता है कमज़ोर स्वभाव। तो तीनों बातों का अटेन्शन सारा वर्ष रखना। इन तीनों बातों से सेफ रहना है। मुश्किल तो नहीं है ना। साथी आदि से अन्त तक सहयोगी साथी है। साथी तो समान चाहिए ना। अगर साथियों में समानता नहीं होगी तो साथी प्रीत की रीति निभा नहीं सकते। अच्छा यह तो 3 बातें अटेन्शन में रखेंगे। लेकिन इन तीन बातों से सदा किनारा करने के लिए और 3 बातें याद रखनी हैं। आज तीन का पाठ पढ़ा रहे हैं। सदा अपने जीवन में – एक बैलेन्स रखना है। सब बात में बैलेन्स हो। याद में, सेवा में बैलेन्स। स्वमान, अभिमान को समाप्त करता। स्वमान में स्थित रहना। यह सब बातें स्मृति में रहे। ज्यादा रमणीक भी नहीं, ज्यादा गम्भीर भी नहीं। बैलेन्स हो। समय पर रमणीक, समय पर गम्भीर। तो एक है 'बैलेन्स'। **दूसरा सदा अमृतवेले बाप से विशेष ब्लैसिंग लेनी है! रोज अमृतवेले बापदादा बच्चों प्रति ब्लैसिंग की झोली खोलते हैं। उससे जितना लेने चाहो उतना ले सकते हो। 'तो बैलेन्स, ब्लैसिंग तीसरा ब्लिसफुल लाइफ'। तीनों बातें स्मृति में रहने से वह तीनों बातें जो अटेन्शन देने की हैं, वह स्वत: ही समाप्त हो जायेंगी। समझा!**

AMRITVELA

The Father's nature is the children's nature. What is the Father's nature? His nature is constantly to have benevolent and merciful feelings for every soul. His nature is of uplifting everyone. It is a sweet nature, a nature of humility. Never say, "My nature is like that." Where did "mine" come from? Speaking harshly is my nature. Being forceful is my nature. This happens because of my nature. This is Maya! Some have a nature of arrogance, jealousy or becoming forceful. Some have a nature of being disheartened. Even though they may be good, they don't consider themselves to be good. They would always consider themselves to be weak. "I cannot move forward. I cannot do this." To have this nature of being disheartened is also wrong. Do not have arrogance, but maintain your self respect. So, that type of nature is called a weak nature. Therefore, pay attention to all these three things throughout the year. Remain safe from all these three things. It is not difficult, is it? Your Companion is the cooperative Companion till the end. A companion has to be equal. If there isn't equality in the companions, the companions cannot fulfil the responsibility of love. OK, you will pay attention to these three things. However, in order to constantly stay away from these three things, remember three other things. Today, Baba is teaching you the lesson of threes. Constantly maintain a balance in your life. Let there be a balance in everything. The balance of remembrance and service. Self respect finishes arrogance. Remain stable in your self respect. Let all these things remain in your awareness. Not too entertaining, not too serious. Let there be a balance. Be entertaining when you have to be entertaining and be serious when there is a need to be serious. So, first is balance. **Secondly, always claim special blessings from the Father at Amrit vela. Every day at Amrit vela, BapDada opens His apron of blessings for you children. You can take as much as you want from that. So, balance, blessings, and thirdly, a blissful life. By having these three things in your awareness, the three things you have to pay attention to will automatically end. Do you understand?**

मैं सदा अचल, अडोल महावीर रहने
वाली त्रिकालदर्शी आत्मा हूँ

Brahma Kumaris
World Spiritual University

वरदान:-हर बात में कल्याण समझकर अचल, अडोल महावीर बनने वाले त्रिकालदर्शी भव

Blessing:May you be a trikaldarshi and unshakeable and immovable mahavir, knowing that there is benefit in everything.

To learn Online Rajyoga Meditation course, send "Om Shanti" to this WhatsApp No. +91 7404907974

Sakar Murli -22-10-2023

/Spiritual Connection

Brahma Kumaris
World Spiritual University

स्लोगन:-तपस्वी वह है जो श्रीमत के इशारे प्रमाण सेकण्ड में न्यारा और प्यारा बन जाये।

Slogan:A tapaswi soul is one who, with a signal of shrimat, becomes detached and loving in a second.

To learn Online Rajyoga Meditation course, send "Om Shanti" to this WhatsApp No. +91 7404907974

Sakar Murli -22-10-2023

/Spiritual Connection

श्रेष्ठ योगी बनाना है तो

1.दूसरों को देखना,2.क्यों ,3.क्या, 4.इर्षा ,5.द्वेष,6.में, 7.मेरा - यह सब छोड़ना होगा।

व्यवहार घर का शुभ कलश है
और इंसानियत घर की तिजोरी,
मधुर वाणी घर की धन दौलत है
और शांति घर की महालक्ष्मी।"

@mother_meena @BK Shivani

"God is a wonderful companion
and so what can storms
or typhoons do to me?
He is my support and strength."
— Dadi Janki
www.dadijanki.org

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org